संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688

जिलों से संभाग तक का सच

email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-8 | अंक-32 | प्रति मंगलवार, इंदौर, 31 दिसंबर 2024 से 06 जनवरी 2025 | मूल्य- 2 रु. | पृष्ठ- 8

भय से भारत अभय हो,
फिर विजय से विश्व।
विनयकर निर्भय जय हो,
जय हो भारत भूमि जय हो।।

Short News

राजस्व मामले निपटाने में भी इंदौर को बनाया जाएगा अव्वल

■ इंदौर । नगर प्रतिनिधि

इंदौर जिले में राज्य शासन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशानुसार राजस्व महा अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में इंदौर जिले को प्रदेश में अव्वल बनाया जाएगा। इसके लिए कलेक्टर आशीष सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गति लावे। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी पूर्ण गंभीरता के साथ अपनी जवाबदारी का निर्वहन करें और समय-सीमा में राजस्व प्रकरण निराकृत करें। अभियान में लापरवाही और उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर क्षेत्र में इंदौर के अव्वल रहने की गौरवशाली परंपरा को कायम रखा जाए। कलेक्टर आशीष सिंह ने आज यहां कलेक्टर कार्यालय में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती ज्योति शर्मा, श्रीमती निशा डामोर, राजेंद्र रघुवंशी तथा रोशन राय सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने राजस्व महा अभियान के तहत निराकृत किये जा रहे राजस्व प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान के लक्ष्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए। अभियान में उदासीनता बरतने पर तीन तहसीलदारों के 15-15 दिन के वेतन को राजसात करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के निराकरण में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बताया गया कि अभियान के तहत अविवादित तथा विवादित नामांतरण, बटवारा और सीमांकन के समय बाह्य प्रकरणों के निराकरण के लगभग सभी लक्ष्य पूरे हो गए हैं। उन्होंने नक्शा तरमीम, ई-केवाईसी तथा अभिलेख दुरुस्ती के लक्ष्यों को भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वामित्व योजना के तहत किए जा रहे हैं कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

आपका अपना विश्वसनीय अखबार...
हमेशा आपके साथ

संभाग पोस्ट

आप हमसे अपनी समस्याओं को सांझा कर सकते हैं
बगैर किसी खौफ के विडियो, फोटो,
दस्तावेज के माध्यम से हमारे वाट्सअप नम्बर पर
और संभाग पोस्ट के पाठक सदस्य भी बन सकते हैं...
एक वर्ष की सदस्यता लेने पर
अखबार फ्री... तीन विज्ञापन फ्री...
पाठक सदस्यता आईडी कार्ड फ्री...
न्यूज चैनल पर एक एड फ्री....

सम्पर्क 9009919948

मामला सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग का

5 प्रतिशत की डिमांड करता अधिकारी इंजीनियर

60000 की डिमांड करी थी रुपए 30000 दे चुके हैं

■ खरगोन । संभाग पोस्ट

एक बार फिर संभाग पोस्ट न्यूज़ द्वारा एक ऐसे भ्रष्ट अधिकारी को उजागर किया जा रहा है जिसने अपनि शपथ की बुनियाद रिश्वत पर रखी है एक ऐसा भ्रष्ट अधिकारी जिसकी सरकार से मिली तनख्वा पर गुजारा पूरा नहीं होता महंगाई के इस दौर में सरकार से मिली तनखा कहां पूरी पड़ती है जिसके कारण ऐसे अधिकारी को रिश्वत लेना पड़ती है ऐसा ही एक मामला खरगोन के सहायक आयुक्त जनजातिय कार्य विभाग का सामने आया है जहां इंजीनियर राकेश राय द्वारा लगातार ठेकेदार से पैसों की मांग की जा रही थी जिसकी शिकायत श्री हरि कंट्रक्शन के ऑनर पंकज परिहार द्वारा कलेक्टर से की गई पंकज परिहार द्वारा बताया गया फाइल फाइनल करने के नाम पर 5इ की डिमांड की जा रही थी जिसके कारण पैसा पास नहीं किया जा रहा था मजबूर होकर रिश्वत की आधी रकम 30 हजार रुपए प्रेशर बनाकर मुझसे जबरदस्ती वसूल की गई और आधे पैसे देने के बाद फाइल फाइनल कर दी गई बची राशि के पैसे 30 हजार रुपए वसूल करने के नाम पर मुझे बार-बार डराया गया धमकाया गया और इंजीनियर राकेश राय द्वारा मुझेसे बची राशि की डिमांड की गई जिसकी शिकायत मेरे द्वारा जिलाधीश महोदय से की गई और मैंय प्रमाण के वीडियो फुटेज पेन ड्राइव में कलेक्टर साहब को दिए गए जिसमें साफ देखा जा सकता है कि किस प्रकार राकेश राय द्वारा कहा गया है कि मुझे मेरे 5इ से मतलब है बाकी आगे तुम देख लेना जिलाधीश से न्याय की गुहार लगाते हुए ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई कर उन्हें दंडित करने की मांग की गई। अब सवाल यह उठता है कि ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर प्रशासन द्वारा किस प्रकार की करवाई की जाती है। या फिर उन्हें ऐसे ही छोड़कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जाएगा और यह संदेश खुला होगा कि भ्रष्टाचार करने पर भी ऐसे अधिकारियों पर कोई कार्यवाही नहीं होना भ्रष्टाचार को मजबूत करना है। जबकि इस विषय में लोकायुक्त पुलिस को भी सक्रिय होना चाहिए और ऐसे भ्रष्ट अधिकारी जिनकी रिश्वत के पैसों से कमाई गई संपत्ति की भी जांच की जाना चाहिए।

इंजीनियर राकेश राय

कई वर्षों से विभाग में पदस्थ एक ही इंजीनियर है

जनजातिय कार्य विभाग में पदस्थ इंजीनियर राकेश राय द्वारा करवाए गए कार्यों की भी जांच होना अनिवार्य है

सुविचार

परेशानिया आये तो सब्र से काम ले जल्दबाज़ी में अक्सर फ़ैसले ग़लत होते है ।

संपादकीय

हादसों पर सवाल

साल के आखिरी दिनों में हुई दो भीषण विमान दुर्घटनाओं के कारण जहां दुनिया भर में शोक की लहर है, वहीं इस वजह से हवाई यात्रा की सुरक्षा से जुड़े सवाल भी केंद्र में आ गए हैं। कजाकिस्तान में बुधवार को लैंडिंग करते हुए अजरबैजान के विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 38 लोगों की मौत हुई तो रविवार को दक्षिण कोरिया में हुए हादसे में 179 लोगों के मारे जाने की खबर है। साउथ कोरिया के मुआन में हुए हादसे में जिस तरह से लैंडिंग का प्रयास करते हुए विमान कुछ सेकंड के अंदर ही लपटों से घिरा नजर आया, वह किसी का भी दिल दहला सकता है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, लैंडिंग से कुछ ही पहले विमान के पिछले हिस्से से एक पक्षी टकराया था। कहा जा रहा है कि शायद इसी वजह से लैंडिंग गियर में खराबी आ गई। लेकिन कई जानकार इससे सहमत नहीं हैं। संभव है कि हादसे की जांच से कुछ और तथ्य सामने आने के बाद इस पहलू पर और रोशनी पड़े। इस बीच अजरबैजान विमान हादसे को लेकर हो रहे अलग-अलग दावों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन की माफी ने सस्पेंस को पूरी तरह खत्म किए बगैर संदेहों को और गहरा कर दिया है। पूतिन ने अपने माफीनामे में यह तो कहा कि जब वह विमान कजाकिस्तान में लैंड कर रहा था तब यूक्रेनी ड्रोन हमलों के मद्देनजर रूसी डिफेंस सिस्टम एक्टिव था, पर यह स्वीकार नहीं किया कि वह विमान इसी सिस्टम का टारगेट बना। विमान किसी तकनीकी गड़बड़ी का शिकार हुआ या गलती से चली किसी मिसाइल का, सच तो यही है कि इसमें सवार यात्रियों को जान गंवानी पड़ी। एविएशन इंडस्ट्री की ज्यादा चिंता स्वाभाविक ही साउथ कोरियाई विमान हादसे को लेकर है क्योंकि उसे यात्रियों की बढ़ती आशंकाओं का सामना करना है। हालांकि हवाई दुर्घटनाओं के मामले में साउथ कोरिया का रेकॉर्ड अच्छा माना जाता रहा है। यह पिछले एक दशक में हुई साउथ कोरियन एयरलाइन की पहली बड़ी दुर्घटना है। पिछली दुर्घटना 2013 में हुई थी जब एशियाना एयरलाइंस की एक फ्लाइट सैन फ्रांसिस्को में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। उसमें तीन लोग मारे गए थे। ऐसी दुर्घटनाएं निश्चित रूप से लोगों के मन में डर बैठाती हैं। लेकिन तथ्य यह है कि आज भी हवाई यात्राएं सबसे सेफ कही जा सकती हैं। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च के मुताबिक, विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने का अनुपात 12 लाख में एक बैठता है। अगर हादसे में मौत का अनुपात देखा जाए तो वह 1.1 करोड़ यात्रियों में एक है, जबकि कार दुर्घटनाओं में मौत का अनुपात 5000 में एक पाया गया है।

दिव्यांगजनों को सामग्री भेंट

इंदौर । संभाग पोस्ट

श्री अटलबिहारी वाजपेयी विचार मंच द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री,भारत रत्न से सम्मानित, अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर दृष्टिहीन कल्याण संघ के छात्रों को वस्त्र भेंट कर सामग्री दी और मीसाबंदियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। मंच के अध्यक्ष एड.संतोष यादव एवं भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिनेश शुक्ला ने मुख्य अतिथि सांसद कृष्णमुरारी मोघे, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय, हरिनारायण यादव, प्रदेश प्रवक्ता टीनू जैन, एमआईसी सदस्य अश्विनी शुक्ला, निरंजनसिंह चौहान, पूर्व राज्यमंत्री योगेंद्र महंत, अशोक चौहान चांदू नेता, आदि का स्वागत किया। अतिथियों ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं मीसाबंदियों का सम्मान किया। दिव्यांग विद्यार्थियों को भोजन कराया गया और आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया। संचालन एड. संतोष यादव ने किया एवं आभार जयसिंह शेखावत ने माना।

पीथमपुर रक्षा मंच द्वारा भोपाल गैस कांड के कचरे को पीथमपुर में जलाने के विरोध में निकाली रैली

पीथमपुर । संभाग पोस्ट

पीथमपुर औद्योगिक नगरी में रविवार दोपहर में भोपाल गैस त्रासदी का जहरीला कचरा पीथमपुर ना जले जिसके विरोध में समाज एवं समस्त पीथमपुर वासियों को साथ में लेकर पीथमपुर क्षेत्र रक्षा मंच द्वारा छत्रछाया के राम रामेश्वर मंदिर से आयशर चौराहे तक रैली निकालकर मान.राष्ट्रपति के नाम पीथमपुर पुलिस अधीक्षक विवेक गुप्ता को ज्ञापन सौंपा गया।

पीथमपुर रक्षा समिति के संयोजक अशोक पटेल, राजेश चौधरी ने बताया कि रविवार सुबह राम रामेश्वर मंदिर छत्रछाया से काली पट्टी बांध कर भोपाल गैस त्रासदी का खतरनाक कचरा पीथमपुर में ना जलने दिया जाए इसके लिए एक विशाल रैली के रूप में विरोध प्रदर्शन किया गया। रैली छत्रछाया से जय नगर, संजय जलाशय रोड, आजाद चौराहे से आयशर चौराहे तक निकाली गई। रैली में समस्त समाज. माता बहनों के साथ पूरे पीथमपुर के नागरिक इस विरोध प्रदर्शन में हाथों में तख्तियां लेकर शामिल हुए एवं नारे बाजी की गई। आयोजित रैली में प्रमुख रूप से नगर पालिका अध्यक्ष सेवंती बाई सुरेश पटेल वरिष्ठ नेता अशोक पटेल पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष देवेन्द्र पटेल. पार्षद प्रतिनिधि राजेश चौधरी, मनीषा लालू शर्मा पूर्व न.पा. उपाध्यक्ष कविता प्रदीप द्विवेदी, विजय सिंह रघुवंशी जी, अमृत दरबार, डॉ. हेमंत पटेल, राम अवतार यादव, बालू महाजन, मांगीलाल पथरिया, जगदीश साहू, चमन चौपड़ा, मुकेश पटेल, बी सी प्रजापति, अर्जुन धाकड़, संदीप रघुवंशी शामिल हुए। कांग्रेस और पीथमपुर बचाओ समिति पहले से ही विरोध में यूनियन कार्बाइट के कचरे को पीथमपुर की कंपनी में जलाने का विरोध पहले से शहर में चल रहा है। पीथमपुर बचाओ समिति के द्वारा लगातार इस कचरे के विरोध में हस्ताक्षर अभियान, धरना प्रदर्शन, रेली, निकाली जा चुकी है।

बॉम्बे पब्लिक स्कूल का 20वां वार्षिक उत्सव: BPS आगाज़

इंदौर । संभाग पोस्ट

25-दिसंबर-24 बॉम्बे पब्लिक स्कूल (BPS) ने अपना 20वां वार्षिक समारोह, '20th BPS AAGAAZ,' बड़ी धूमधाम और के साथ रविंद्र नाट्यगृह, इंदौर में मनाया। चार कैंपस के 800 से अधिक छपर्चा ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए ब्य संस्कृति की विविधता और जीवन्त का उत्सव मनाया। मुख्य अतिथि डॉक्टर अर्चना दुबे और डॉक्टर रश्मि चौधरी, के साथ विशेष अतिथि श्रीमती प्रिया जगताप और श्रीमती बखावत ने सम्मान बढ़ाया। दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसने पूरे वातावरण को मय बना दिया। अपने संबोधन में, बॉम्बे पब्लिक स्कूल के चेयरमैन श्री अनुपाल सिंह चौहान ने स्कूल की 20 वर्षों की यात्रा को कत किया और शैक्षिक उत्कृषता और समग्र विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने स्टाफ, छात्रों अभिभावकों का उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद जताया। सांस्कृतिक कार्यक्रम ने मंच को रंगारंग प्रस्तुतियों से जीवंत कर दिया। छोटे बच्चों ने गुजराती, कश्मीरी, और दक्षिण बय नृत्यों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, जबकि सीनियर छात्रों ने इंसानियत, 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, और राज्य' जैसे प्रेरणादायक कृों से सबको प्रभावित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सीनियर छात्रों द्वारा प्रस्तुत 'BPS मेरेमनी थी, जिसने विद्यालय की 20 वर्षीय गौरवशाली यात्रा का प्रतीकात्मक चित्रण किया। कार्यक्रम का समापन एक हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसके बाद राष्ट्रीय गान प्रस्तुत किया गया, जिससे प्रेरित और गर्व महसूस करने लगे। अभिभावकों ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना की, जो प्रतिभा को निखारने और शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देने में लगे हैं।

साहित्य में नई पीढ़ी को लगातार प्रोत्साहन की जरूरत, रचनाकारों ने रखी अपनी बात

इंदौर । संभाग पोस्ट

सम्मान से रचनाकार का हौंसला बढ़ता है। जब हम वरिष्ठ रचनाकारों के साथ नई पीढ़ी के रचनाकारों को सम्मान और लगातार प्रोत्साहन देते हैं तो इससे वह और अधिक बेहतर रचनाकर्म के लिए प्रेरित होते हैं। यह बात साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश के निदेशक डॉ. विकास दवे ने कही। वे रविवार शाम इंदौर प्रेस क्लब के सभागृह में वरिष्ठ शिक्षक और लेखक डॉ. एस. एन. तिवारी की स्मृति में आयोजित सातवें सम्मान समारोह में अध्यक्षीय उदबोधन दे रहे थे। मुख्य अतिथि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और जनसंचार अध्ययनशाला की प्रमुख डॉ. सोनाली सिंह ने साहित्य में सबका साथ, सबका विकास का भाव लेकर आगे बढ़ने की पैरवी की।

इस मौके पर पांच रचनाकारों वरिष्ठ लघुकथाकार डॉ. पुरुषोत्तम दुबे, हिन्दी मासिक वीणा के संपादक राकेश शर्मा, वरिष्ठ लेखिका शिक्षाविद डॉ. संगीता सिंघानिया भारूका, वरिष्ठ कहानीकार मनीष वैद्य और युवा कवि एकाग्र शर्मा को इस वर्ष का डॉ. तिवारी स्मृति सम्मान प्रदान किया गया।

विचार प्रवाह साहित्य मंच के सहयोग से आयोजित इस समारोह में स्वागत भाषण सुषमा दुबे ने, संस्था परिचय अर्चना मंडलोई ने, सम्मानित रचनाकारों का परिचय देवेंद्रसिंह सिसौदिया, सुषमा व्यास, माधुरी व्यास, डॉ. दीपा व्यास और डॉ. आरती दुबे ने दिया। संचालन मुकेश तिवारी ने किया। इस मौके पर उन कई रचनाकारों का भी सम्मान किया गया जिन्हें साहित्य अकादमी ने पुरस्कार देने की घोषणा हाल में की है। समारोह में साहित्य, पत्रकारिता और शिक्षा जगत के अनेक प्रमुख लोगों की उपस्थिति रही।

एमजी रोड का हाल: 60 फीट चौड़ी सड़क, आधे से ज्यादा हिस्से में पार्किंग, ट्रैफिक कहां से निकलेगा?

इंदौर। संभाग पोस्ट

आम नागरिकों के दम पर ही आज इंदौर लगातार सात बार से स्वच्छता में नंबर वन है। इसकी सबसे बड़ी वजह सफाई की आदत है। लोगों की यही अच्छी आदत शहर के सुगम ट्रैफिक के लिए भी चाहिए। क्योंकि सड़कों पर ट्रैफिक जाम का एक सबसे बड़ा कारण रोड पर वाहन खड़े करना भी है। 'बस दो मिनट...' आने का बोलकर वाहन खड़े करने से शहर के कई रास्ते 30 फीसदी से लेकर 60% तक अवैध पार्किंग की भेंट चढ़ जाते हैं।

इसका नतीजा ट्रैफिक जाम के रूप में आमजन को ही भुगतना पड़ रहा है। जबकि सड़क सुरक्षा समिति ने भी सुगम ट्रैफिक के लिए प्रशासन, नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस का एक संयुक्त दल बनाया है, लेकिन इतने प्रयासों के बाद भी शहर की कई मुख्य सड़कों से ट्रैफिक में निकलने में परेशानी आती है। इसकी बानगी के रूप में शहर की सबसे प्रमुख सड़क एमजी रोड का ही हाल देखिए।

राजबाड़ा से पलासिया चौराहे तक एमजी रोड पर कई जगह 30% तो कई जगह आधे से ज्यादा सड़क पर वाहन पार्क रहते हैं। जबकि यह रोड कहीं 60, 80 तो कहीं 100 फीट तक चौड़ी है, फिर भी ट्रैफिक जाम होता है। इसी तरह के हालात शहर की कई प्रमुख सड़कों पर हैं, जहां अवैध पार्किंग के कारण वाहन चालक रोज ट्रैफिक जाम की परेशानी भुगत रहे हैं। जिम्मेदारों को इसके लिए सख्ती करने की जरूरत है।

कुछ स्थान, जहां शहर में यह स्थायी परेशानी

एमवाय अस्पताल के सामने दवा बाजार के आसपास भी ऐसी ही स्थिति रहती है। दवा बाजार की बाहरी पार्किंग में वाहन सड़क तक पार्क रहते हैं।

कलेक्टोरेट के सामने मोती तबेला तक एक लेन दोनों ओर वाहनों की पार्किंग से जाम रहती है। इनमें कुछ वाहन स्थाई तौर पर खड़े रहते हैं।

भंवरकुआं चौराहे के लेफ्ट व राइट टर्न दोनों पर वाहन सड़क तक खड़े रहते हैं। थाने के सामने से पानी की टंकी तक यह परेशानी होती है।

रेस कोर्स रोड यहां पर मल्टी स्टोरी में शो रूम व दूसरी ओर प्रदर्शनियां लग रही है। इसकी एक लेन में दिनभर चार पहिया वाहन खड़े मिलेंगे।

मधुमिलन से गीता भवन व नाथ मंदिर की ओर जाने वाले इस रोड पर ढक्कन वाला कुंआ के आसपास रजिस्ट्रार कार्यालय, निजी भवनों के कार्यालयों के वाहन सड़क को घेरे रहते हैं।

यहां पर भी परेशानी

जवाहर मार्ग, सुभाष मार्ग, ग्रेटर कैलाश रोड, विवेकानंद स्कूल रोड, हाईकोर्ट चौराहा, छप्पन दुकान, बीआरटीएस, छावनी, अन्नपूर्णा रोड, रेसकोर्स रोड, जवाहर मार्ग, रणजीत हनुमान मंदिर, खातीवाला टैंक सहित कई स्थानों पर रोजाना परेशान हो रहे लोग

समाधान- जयवंत होलकर, मास्टर प्लान विशेषज्ञ

शहर में यह परेशानी आम है। इसका समाधान प्रशासन, दुकानदार व आम नागरिक ही कर सकते हैं।

कुछ स्थानों पर यह परेशानी लोक परिवहन वाहनों की अवैध पार्किंग से भी हो रही है। इन पर भी रोक लगना चाहिए। इनके खिलाफ लगातार अभियान चलाना चाहिए।

वाहन चालकों को भी जागरूक करें, नहीं मानें तो स्पॉट फाइन जैसे प्रावधान सख्ती से लागू करें।

दिन में वाहन जब्त करने के लिए चलाई जा रही क्रेन का लक्ष्य ऐसे वाहनों को हटाने में करें।

सड़क सुरक्षा समिति द्वारा तय दल भी फुटपाथ, अतिक्रमण के साथ इस तरह के वाहनों पर कार्रवाई करें, क्षेत्रों में नियमित भ्रमण करें।

नए साल के जश्न पर सख्त निगरानी और नियमों का पालन अनिवार्य

इंदौर। संभाग पोस्ट

आज शहर में नए साल का जश्न मनाने की तैयारियां जोरों पर हैं। थर्टी फर्स्ट के मौके पर शहर भर में 500 से अधिक पार्टियों का आयोजन होगा। घरों से लेकर होटल, रेस्टोरेंट, फार्म हाउस और गार्डनों तक हर जगह उत्सव का माहौल रहेगा। इनमें शराब परोसने के लिए आबकारी विभाग से अस्थायी लाइसेंस लेना अनिवार्य किया गया है। घर पर शराब परोसने के लिए 500 रुपए का लाइसेंस, बाहरी आयोजन के लिए 5 हजार रुपए, और खाना पकाने सहित आयोजन के लिए 10 हजार रुपए का लाइसेंस निर्धारित किया गया है। पुलिस और यातायात विभाग ने भी विशेष तैयारियां की हैं। शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर सख्त चेकिंग होगी और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हुड़दंग करने वालों को हवालात भेजने की चेतावनी दी गई है। पुलिस प्रशासन ने होटल, मैरिज गार्डन और फार्म हाउस के आयोजकों के साथ बैठक कर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सभी बार रात 11:30 बजे तक ही खुले रहेंगे। इसके बाद शराब परोसी गई तो बार सील करने और अन्य कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लाइसेंस की अनिवार्यता सुनिश्चित की जाए

फार्म हाउस और अन्य ठिकानों पर होने वाली पार्टियों की निगरानी ड्रोन के माध्यम से की जाएगी। पुलिस बॉडी वॉर्न कैमरे, पोर्टेबल जीपीएस ड्रोन और ब्रीथ एनालाइजर जैसे उपकरणों का इस्तेमाल करेगी। डेढ़ हजार से अधिक पुलिस और यातायातकर्मी सड़कों और चौराहों पर तैनात रहेंगे। खासतौर पर विजय नगर, लसूड़िया, खजराना, तिलक नगर, कनाडिया, खंडवा रोड, एमआईजी, और बायपास के क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई जाएगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे को निर्देश दिए हैं कि आबकारी विभाग का अमला भी सक्रिय रहे। जिन भी स्थानों पर शराब पार्टी आयोजित की जा रही है, वहां लाइसेंस की अनिवार्यता सुनिश्चित की जाए। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से चिन्हित आयोजकों को लाइसेंस लेने की सख्त हिदायत दी गई है। बगैर लाइसेंस के शराब पार्टी आयोजित करने पर आयोजकों के साथ ही शराब सेवन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। आबकारी विभाग द्वारा एक दिन का आकस्मिक लाइसेंस जारी किया जाता है, जिसे निर्धारित शुल्क के साथ ऑनलाइन प्राप्त किया जा सकता है। लाइसेंस लेकर ही तय अवधि में शराब परोसने की अनुमति दी जाएगी। विभाग पहले से ही पब और बार की एआई बेस्ड सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी कर रहा है। कंट्रोल रूम की विशेष टीम आज रात इनकी गतिविधियों पर नजर रखेगी, ताकि 12 बजे के बाद शराब सेवन न हो।

यूपीआई पेमेंट का विरोध कर रहे व्यापारियों को मनाया

पुलिस और बैंकों ने दी समझाइश

इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर के रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन ने 6 दिन बाद यूपीआई से पेमेंट नहीं लेने का निर्णय वापस ले लिया है। यह फैसला एक साइबर फ्रॉड की घटना के बाद लिया गया था, जिसमें एक ग्राहक ने खरीदारी के बाद फ्रॉड का पैसा व्यापारियों के खाते में ट्रांसफर कर दिया। इसके चलते आरबीआई ने व्यापारी का खाता फ्रीज कर दिया, जिससे परेशान होकर व्यापारियों ने केवल नकद और क्रेडिट कार्ड से भुगतान लेने का निर्णय किया। मामले की जानकारी मिलने पर क्राइम ब्रांच और बैंक अधिकारियों ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों से मुलाकात की और समस्या का समाधान निकाला। व्यापारियों ने आश्वासन के बाद यूपीआई पेमेंट स्वीकार करना फिर से शुरू कर दिया है।

बैंक खाता बंद होने पर तुरंत क्राइम ब्रांच आएं

क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने एसोसिएशन के अध्यक्ष अक्षय जैन और अन्य पदाधिकारियों के साथ चर्चा की। इसमें व्यापारियों ने बताया कि खरीदारों के मोबाइल नंबर बिलिंग के दौरान लिए जाते हैं, लेकिन अन्य प्रदेशों में हुए साइबर फ्रॉड के कारण उनके खाते फ्रीज कर दिए जाते हैं। इस पर दंडोतिया ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि ऐसी स्थिति में वे क्राइम ब्रांच से संपर्क कर सकते हैं, जहां उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। व्यापारियों ने इस मामले में ज्ञापन देने की बात कही और तय किया कि वे क्राइम ब्रांच से चर्चा करेंगे।

बैंक खाता बंद होने पर भड़के थे व्यापारी

व्यापारियों ने अपनी दुकानों पर लगे 'यूपीआई से भुगतान नहीं' लेने के बोर्ड हटा दिए हैं और यूपीआई पेमेंट स्वीकार करना शुरू कर दिया है। व्यापारियों ने कहा कि खाते फ्रीज होने पर केवल उतनी राशि फ्रीज होनी चाहिए जितनी फ्रॉड हुई हो, न कि पूरा खाता। एसोसिएशन अध्यक्ष अक्षय जैन ने बताया कि 650 दुकानदारों ने इस विरोध में हिस्सा लिया, जिसे अन्य व्यापारिक संगठनों का समर्थन भी मिला। इस कदम का उद्देश्य समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करना था। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के फैसले व्यापारियों के हित में हैं और यूपीआई व्यापार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। व्यापारियों ने अपने खातों को फ्रीज करने के फैसले का विरोध किया और साइबर फ्रॉड के मामलों में बैंक और आरबीआई से उचित समाधान की मांग की। क्राइम ब्रांच और बैंक अधिकारियों ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके बाद यूपीआई पेमेंट फिर से शुरू किया गया।

मध्यप्रदेश के कर्मचारियों की सैलरी में बड़ा बदलाव, अब नए तरह से मिलेगा वेतन

इंदौर। संभाग पोस्ट

मध्यप्रदेश के सरकारी कर्मचारियों के सैलरी सिस्टम में बड़े बदलाव किए गए हैं. दरअसल, प्रदेश की जनपद और ग्राम पंचायतों के कर्मचारियों की वेतन व्यवस्था में ये बदलाव किया गया है. इस बदलाव के तहत अब स्टाम्प ड्यूटी से मिलने वाली अतिरिक्त राशि से सरकारी कर्मचारियों को सैलरी दी जाएगी. सैलरी सिस्टम में इस बदलाव को लेकर मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने आदेश भी जारी कर दिए हैं.

नव वर्ष 2025 से लागू होगा नया सैलरी सिस्टम

मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार द्वारा आदेश जारी किए जाने के बाद यह नव वर्ष 2025 में 20 जनवरी से प्रभावी हो जाएगा. गौरतलब है कि मध्यप्रदेश पंचायत राज और ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 75 के तहत स्टाम्प ड्यूटी पर एक प्रतिशत तक अतिरिक्त चार्ज लिया जा सकता है. इस अतिरिक्त आय से पंचायतों के कर्मचारियों की सैलरी, भत्ते और मानदेय आदि का भुगतान किया जाएगा. राज्य सरकार ने ये फैसला पंचायतों की फाइनेंशियल स्टेबिलिटी को मजबूत बनाने के लिए लिया है.

सैलरी बांटने के अलावा यहां होगा इस्तेमाल

सूत्रों की माने तो मध्यप्रदेश सरकार द्वारा इस पंचायतों के अधिकारियों, कर्मचारियों की सैलरी का भुगतान अतिरिक्त स्टाम्प ड्यूटी से करने के बाद गांव के विकास में इसका उपयोग किया जाएगा. ग्राम पंचायतों के रोजगार सहायकों, सचिवों को मानदेय और वेतन का भुगतान भी इसी इसी राशि से किया जाएगा. मध्यप्रदेश सरकार द्वारा ऑनलाइन पोर्टल के जरिए पंचायतों को ये राशि ट्रांसफर की जाएगी. वहीं इस राशि का पूरा ब्यौरा भी ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा.

सोमवती अमावस्या 2024 पर उज्जैन में उमड़ा जनसैलाब

■ उज्जैन । संभाग पोस्ट

साल 2024 की अंतिम अमावस पर धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखने को मिली। उज्जैन की शिप्रा नदी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान कर पूजा अर्चना की। इसी तरह नर्मदा नदी के तट पर भी श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाकर पूजा अर्चना की. पंडित गौरव उपाध्याय ने बताया कि इस बार 19 साल बाद सोमवती अमावस्या का सहयोग बना है।

इस पावन पर्व पर पवित्र नदियों में स्नान कर पूजा अर्चना करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इसके अलावा अमावस पर पितरों के निमित्त तर्पण करने मात्र से ही मोक्ष की प्राप्ति होती है. पंडित उपाध्याय ने बताया कि आज के दिन शिप्रा नदी में स्नान करने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद भी लिया. इसी तरह सीहोर, नेमावर, ओंकारेश्वर सहित कई स्थानों पर नर्मदा नदी में भी लोगों ने डुबकी लगाकर अमावस पर पूजा अर्चना की।

साल 2024 के अंतिम अमावस

पंडित अमर डिब्बे वाला ने बताया कि साल 2024 की अंतिम अमावस होने की वजह से श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पवित्र नागरियों में पहुंचकर धर्म लाभ कमाया. उन्होंने बताया कि अब साल 2025 में अमावस आएगी. उन्होंने यह भी बताया कि अमावस हर महीने आती है मगर सोमवार और शनिवार के दिन अमावस होने पर इसका महत्व काफी बढ़ जाता है।

ठंड के बीच उत्साह में कोई कमी नहीं

पंडित राजेश त्रिवेदी ने बताया कि खड़की की ठंड के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सुबह से ही स्नान ध्यान शुरू कर दिया था. ठंड की वजह से भी उत्साह में कोई कमी देखने को नहीं मिली. और लोगों ने श्रद्धा व बडे .भाव से शिप्रा नदी में स्नान किया और फिर भगवान महाकाल के दर्शन करने के लिए पहुंचे. मंदिर परिसर में महाकाल के दर्शन के लिए भी लोगों की काफी ज्यादा भीड़ देखने को मिली।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गर्भगृह में किए महाकाल के दर्शन

विश्व शांति के लिए किया पूजन

■ उज्जैन । संभाग पोस्ट

भारत के केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे जहां उन्होंने गर्भ ग्रह में पहुंचकर बाबा महाकाल का पूजन अभिषेक किया और उनका आशीर्वाद लेने के साथ ही मनोकामना भी की।

महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित घनश्याम शर्मा ने बताया कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे थे। यहां उन्होंने थल सेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी के साथ मिलकर विश्वशांति हेतु श्री महाकालेश्वर भगवान का गर्भगृह में पहुंचकर पूजन अर्चन किया। इस दौरान संजय पुजारी, दिलीप पुजारी, प्रमोद पुजारी ने रूद्र मंत्रो से बाबा महाकाल का अभिषेक पूजन करवाया। इसके बाद वे नंदी हॉल में पहुंचे और हाथ जोड़कर बाबा महाकाल से मनोकामना करते हुए दिखाई दिए। बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद आपने मीडिया से कहा कि मैं लंबे समय से यह प्रतीक्षा कर रहा था कि बाबा महाकाल के दर्शन हो जाएं। आज मुझे यह अवसर प्राप्त हुआ। बाबा महाकाल के दर्शन कर आज मेरा जीवन धन्य हो गया। केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह के साथ सांसद अनिल फिरोजिया, राज्य सभा सांसद श्री उमेश नाथ महाराज, आर्मी चीफ जनरल श्री उपेंद्र द्विवेदी और अन्य अतिथियों ने भी महाकाल का जल अभिषेक किया।

मध्यप्रदेश दौरे पर हैं रक्षा मंत्री

देश के रक्षा मंत्री इन दिनों दो दिवसीय दौरे पर मप्र में आए हैं। जहां वे इंदौर और महू के कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ उज्जैन पहुंचे।

इंदौर में जनवरी के आखिरी तक शुरू हो जाएगी मेट्रो, 10 रुपये होगा किराया

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

जनवरी के अंत तक शहरवासी मेट्रो में बैठकर सफर कर सकेंगे। हालांकि सुपर कॉरिडोर पर 5.9 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ही मेट्रो चलेगी। ऐसे में शहरवासी मेट्रो के सफर के नए अनुभव के लिए इसमें बैठेंगे। यह संभावना जताई जा रही है कि मेट्रो रेल प्रबंधन इस हिस्से में पांच से छह मेट्रो कोच के साथ संचालन शुरू करेगा। यात्रियों की संख्या के आधार पर मेट्रो कोच चलाने का समय तय किया जाएगा। यह संभावना जताई जा रही है कि मेट्रो रेल प्रबंधन गांधी नगर स्टेशन से सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर 3 तक के लिए न्यूनतम 10 रुपये किराया तय करेगा।

कुछ समय के लिए फ्री में सफर कर सकेंगे शहरवासी

ऐसे में 10 रुपये में लोग मेट्रो के सफर का अनुभव ले पाएंगे। हालांकि यह भी संभावना जताई जा रही है कि सीमित समय के लिए मेट्रो में निश्शुल्क सफर का मौका शहरवासियों को दिया जा सकता है। मेट्रो रेल प्रबंधन द्वारा यात्रियों को मेट्रो की सुविधा देने के लिए कमर्शियल रन शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

इसके पहले जनवरी के दूसरे सप्ताह में दिल्ली की कमिश्नर आफ मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) की टीम मेट्रो कोच के निरीक्षण के लिए आएगी और उसके बाद तीसरे सप्ताह में 5.9 किलोमीटर के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर बने मेट्रो के पांच स्टेशन का निरीक्षण करेगी। गौरतलब है कि 30 दिसंबर तक मेट्रो रेल प्रबंधन सीएमआरएस को दस्तावेज भेजने की प्रक्रिया को पूर्ण करेगा। इसके बाद भी जनवरी में मेट्रो कोच के निरीक्षण के लिए टीम का आना तय होगा।

11वां मेट्रो कोच सेट इंदौर पहुंचा, एमडी ने किया निरीक्षण

मेट्रो के गांधीनगर डिपो पर वड़ोदरा से मेट्रो का 11वां कोच सेट भी इंदौर पहुंच चुका है। शनिवार को मेट्रो के एमडी एस. कृष्ण चैतन्य ने इस कोच सेट का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर चल रहे मेट्रो निर्माण कार्य का निरीक्षण कर प्रगति रिपोर्ट भी जानी।

एमडी ने डिपो परिसर में हरियाली बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परिसर में सजावटी के बजाए ऐसे पौधे लगाएं, जो जनोपयोगी हो। उन्होंने मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े सभी कांट्रेक्टर को मेट्रो स्टेशन, डिपो के बचे कार्य व बाहरी सुंदरीकरण के कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

जुलाई तक रेडिसन चौराहे तक सफर कर सकेंगे शहरवासी

जनवरी में भले ही कमर्शियल रन के तहत सुपर कॉरिडोर के 5.9 किमी हिस्से में मेट्रो का कर्मशियल रन शुरू किया जा रहा है। जुलाई 2025 तक गांधीनगर डिपो से रेडिसन चौराहे तक मेट्रो का संचालन करने की योजना है। ऐसे में अगले सात महीने में शहरवासी मेट्रो में बैठ सुपर कॉरिडोर से रेडिसन चौराहे तक आ सकेंगे।

मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

प्लेटफार्म पर बैठने के लिए कुर्सियां

सीसीटीवी कैमरों से होगी सुरक्षा

लिफ्ट व एस्कलेटर से प्लेटफार्म पर पहुंच सकेंगे

पेयजल व सुविधाघर

टिकट काउंटर

समय की जानकारी देती घड़ी

ट्रेन के आने की जानकारी देते डिस्प्ले बोर्ड

दृष्टिबाधितों के प्लेटफार्म पर विशेष प्रकार की लगाई गई टाइल्स।

रामसेवक दुबे
9406621084
पूजा
बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
❒ CBCE स्कूल बुक्स
❒ चिल्ड्रन बुक्स
❒ ऑफिस स्टेशनरी
❒ कम्प्यूटर स्टेशनरी
❒ स्कूल स्टेशनरी एवं
❒ गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर मो

॥ श्री गणेश ॥ ॥ जय माँ भगवती ॥
सेवक राम केवट (छोटू उस्ताद)
मो. 9826012658, 9131711406
माँ नर्मदा केटरर्स
107, नार्थ मुसाखेड़ी, अजयबाग कॉलोनी, इन्दौर
शादी, पार्टी, पिकनिक, जन्मदिन पर कच्ची एवं पक्की रसोई की सम्पूर्ण व्यवस्था हेतु सम्पर्क करें।

अनुप यादव 9617246247
अमन यादव 7773007307 8770131488
सावित्री हार्डवेयर
सेनेटरी एण्ड पेन्ट्स
ASTRAL PIPES
92 हीरा नगर MR-10 मेन रोड़, इन्दौर (म.प्र.)

ओलंपियाड परीक्षाः निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं मिली, डीपीसी ने बीआरसी, जनशिक्षकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए

बाग । संभाग पोस्ट

राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार प्राथमिक से मिडिल स्तर के बच्चों की तार्किक क्षमता बढ़ाने के लिए हुई ओलंपियाड परीक्षाओं के आयोजन किया गया था जिसमें परीक्षा में बच्चों को लाने ले जाने और भोजन करवाने की व्यवस्था शासन स्तर से की जाने के निर्देश थे । परन्तु जनपद बाग ब्लॉक में निकम्मे व मठाधीश अधिकारियों की लापरवाही के चलते कई परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा में भाग लेने वाले बच्चों को भोजन उपलब्ध नहीं हुआ वही परीक्षा के प्रबंधन में कई गड़बड़ियां भी देखने को मिली । परीक्षाओं के आयोजन को देखने के लिए धार डी पी सी ने भम्रण किया तो निरीक्षण के दौरान डीपीसी को कुछ स्कूलों पर प्राचार्य नहीं मिले , कुछ परीक्षा केंद्रों पर बच्चों को भोजन नहीं मिलने की शिकायतें मिली। ओलंपियाड जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं के आयोजन के सही प्रबंधन की मुख्य जिम्मेदार बीआरसी की गैर जिम्मेदारी पर नाराजगी प्रकट करते हुए डीपीसी ने बाग के बीआरसी और जनशिक्षकों को नोटिस जारी करने के निर्देश देते हुए कड़ी कार्रवाई की बात कही है ।अब देखना यह है कि नोटिस जारी होकर कार्यवाही कब तक होती है या वही फिर ढाक के तीन

पात,क्योंकि बी.आर.सी.की मठ्ठे पन से शिक्षण व्यवस्था ठप्प जैसी पड़ी है परन्तु मजाल है कि जिला या प्रांत का प्रशासनतंत्र उसके खिलाफ कड़े कदम उठाये,इसी का फायदा उठा रही है बी.आर.सी.नौकरशाह बन आन्नद कर रही है भाड़ मे जाय शिक्षा व्यवस्था।किसी नोटिस चेतावनी का उन्हें प्रभाव असर नही करता

डीपीसी के निरीक्षण से गैरजिम्मेदारी उजागर हुई

राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देश पर कक्षा दूसरी से आठवीं तक के बच्चों में तार्किक क्षमता का विकास करने के लिए महत्वपूर्ण ओलंपियाड परीक्षा का जनपद शिक्षा केन्द्र के मार्गदर्शन में आयोजन हुआ था।ओलंपियाड परीक्षा में भाग लेने वाले बच्चों को शासन के निर्देश अनुरूप सुविधाओं और परीक्षा प्रबंधन के निरीक्षण के लिए जिला परियोजना समन्वयक प्रदीप खरे ने जिलेभर में अपनी टीम के साथ मॉनिटरिंग की।इसी निरीक्षण के दौरान जनपद बाग क्षेत्र मे घोर लापरवाहियों को देख डीपीसी ने सख्त नाराजगी प्रकट की थी

उन्होंने स्वयं अपनें दौरे के दौरान देखा व पाया कि परीक्षा के दौरान अधिकांश केन्द्रों पर कहीं प्राचार्य नदारद तो कई केंद्रों पर बच्चों को भोजन नहीं दिया गया यह भी पाया गया

जबकि शासन के निर्देशानुसार परीक्षा में भाग लेने वाले बच्चों को लाने ले जाने और परीक्षा के बाद भोजन करवाने की राशि दी गई थी।बाग ब्लॉक के 7 संकुलों में ओलंपियाड परीक्षा के समुचित प्रबंधन की जिम्मेदारी बाग बीआरसी को दी गई थी।डीपीसी प्रदीपखरे ने बताया कि निरीक्षण के दौरान टांडा में संकुल प्राचार्य डीएस करोलिया नदारद रहे । परीक्षा निर्धारित समय पर प्रारंभ नहीं हो सकी जबकि भोजन के लिए स्व सहायता समूह को निर्देश दिए गए ।आगर संकुल में परीक्षा में भाग लेने वाले बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था नहीं की गई । डीपीसी ने आगर के संकुल प्राचार्य राजाराम निंगवाल को निर्देश दिए कि बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था की जाए । इसी प्रकार संकुल केंद्र अखाड़ा, नरवाली में भी बच्चों को भोजन नहीं मिलने की शिकायतें मिली ओलंपियाड परीक्षाओं में मिली घोर अव्यवस्थाओं , लापरवाहियों को लेकर डीसी प्रदीप खरे ने जमकर नाराजगी प्रकट करते हुए बाग की बीआरसी ललिता जैन और निर्देशों का पालन नहीं करने वाले जनशिक्षकों के खिलाफ नोटिस जारी करने और कड़ी कार्रवाई की बात कही ।

बीआरसी के अकुशल प्रबंधन से चरमराई शिक्षण व्यवस्था

एकलव्य ग्रामीण सामाजिक संस्था के प्रमुख मदन काबरा ने कहा कि बाग की बी आर सी के अपने मातहत कर्मचारी जनशिक्षकों पर कोई भी नियंत्रण नहीं होने के चलते शिक्षा क्षेत्र में बाग ब्लॉक धार जिले में फिसड्डी बना हुआ है । परीक्षा में भाग लेने वाले बच्चों को भोजन की शासन द्वारा राशि दिए जाने के बावजूद उनके मुंह का निवाला छीना जा रहा है। बी आर सी के मुख्यालय पर नहीं रहने से आदिवासी बहुल बाग ब्लॉक में शैक्षिक प्रबंधन बुरी तरह गड़बड़ा गया है। ग्रामीण क्षेत्र की स्कूलों में दोपहर 1:00 बजे बाद ताले लगे हुए देखे जाते हैं।बी.आर.सी. खुद आफिस टाईम 45 कि.मी.दुर से आती है और फिल्ड मे भम्रण के बजाए आफिस मे टाईम पास कर शाम 5 बजे रवाना हो जाती तो भला शिक्षा के हालात समझ सकते है परन्तु प्रशासन इस जनपद के लिये धृतराष्ट्र बना हुआ है,और जनपद शिक्षा केन्द्र गांधारी बनी हुई है।

बी.आर.सी. का कथन

ओलंपियाड परीक्षा में शासन की निर्देशों की असलियत उजागर होने के मामले में बाग बी. आर. सी. ललिता जैन ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार परीक्षा में बच्चों को लाने ले जाने भोजन की व्यवस्था संबंधी निर्देश सभी जन शिक्षकों को और संकुल प्रभारियों को दिए थे । उन्होंने पालन नहीं किया तो मैं क्या कर सकती हूं। जिन केंद्रों पर समुचित व्यवस्था नहीं हुई उन्हें नोटिस जारी किए जाएंगे। ताज्जुब तो यह भी है कि इस जनपद शिक्षा केन्द्र मे कुल 4481 प्राथमिक और मिडिल के बच्चों के पंजीयन में से 3174 बच्चों ने भागीदारी की जबकि जितने विघार्थियों के पंजीयन हुएँ थे तो उनसें परीक्षा दिलवाने की जिम्मेंदारिया किसकी थी इस पर भी प्रभारीयो ने फिल्ड मे अनदेखी का परिणाम है।परन्तु मजाल है कि जनपद पंचायत के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष जो शिक्षा समिति के प्रभारी है इस मामले मे एक्शन मे आये हो,न ही सासंद और न ही विधायक अपने समाज के विघार्थियों के भविष्य को लेकर संवेदनशील नजर आये यानि कोई बयान नही।

झाबुआ पुलिस का सराहनीय कार्य

‘परिवर्तन का पथिक’ पत्रिका का प्रकाशन

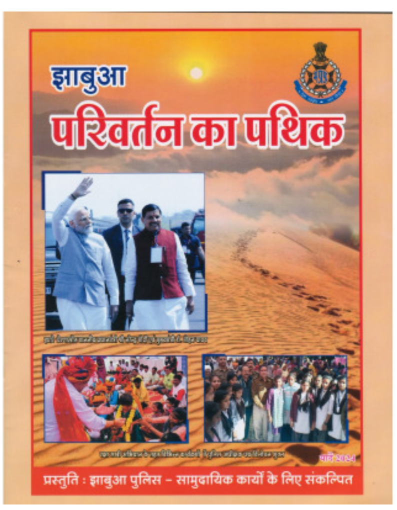

झाबुआ । संभाग पोस्ट

झाबुआ के विकास उन्नति, सामाजिक सुधार और सशक्तिकरण के लिये समाज के समक्ष परिवर्तन का पथिक बनना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य, लक्ष्य को लेकर झाबुआ पुलिस अधीक्षक श्री पद्म विलोचन शुक्ल के द्वारा ’झाबुआः परिवर्तन का पथिक’ पत्रिका का प्रकाशन हित, समाज में परिवर्तन के लिये संभव हुआ है। झाबुआ पुलिस सामुदायिक कार्यों के लिये कृत संकल्पित है। पुलिस प्रशासन व जनता के मध्य मधुर संबंध के साथ सद्भाव उत्पन्न हो सके इस उद्देश्य के साथ झाबुआ जिले में रक्षा सरभी कार्यक्रम भी पुलिस द्वारा आयोजित हो रहे है। जिससे आम जनता में जागरूकता उत्पन्न हो रही है। पत्रिका- ’झाबुआ : परिवर्तन का प्रतीक’ के प्रकाशन की प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने झाबुआ पुलिस के प्रयास की सराहना करते हुए शुभ कामनाएँ अपने संदेश में व्यक्त की है। जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया तथा पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग, पुलिस उप महानिरीक्षक इंदौर (सामीण) रेंज निमिष अग्रवाल ने झाबुआ पुलिस पत्रिका प्रकाशन के कार्य की सराहना की है।

निमाड़ से फिर पकड़ाई हथियारों की खेप, महंगे आईफोन रखने वाले तस्करों से बरामद हुए 23 हथियार-कारतूस

बड़वानी । संभाग पोस्ट

मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले के निवाली थाना पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत बड़ी कार्रवाई की। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो संदिग्ध व्यक्ति राजस्थान से अवैध हथियार खरीदकर बड़वानी आ रहे हैं। इसके बाद, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए निवाली बेरियर के पास दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में शिवम उर्फ शिवा और इकबाल खान शामिल हैं, दोनों अजमेर, राजस्थान के निवासी हैं। पुलिस ने जब दोनों आरोपियों की तलाशी ली, तो उनके पास से कुल 23 अवैध हथियार बरामद किए गए, जिनमें 9 पिस्टल, 14 देशी कट्टे, 11 ज़िंदा कारतूस और 4 मैगजीन शामिल हैं। इसके साथ ही पुलिस ने आरोपियों से दो महंगे आईफोन और कुल 3.14 लाख रुपये के सामान भी जप्त किए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि ये हथियार उन्हें थाना वरला क्षेत्र के उमर्टी गांव के वीरपाजी नामक व्यक्ति से मिले थे, और वे इन हथियारों को राजस्थान वापस ले जाने वाले थे। निवाली थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25(1), 27 के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। बड़वानी एसपी जगदीश डावर ने इस कार्रवाई को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि पुलिस को इनाम दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पुलिस अब यह पता कर रही है कि इन हथियारों को बेचा कौन था। साथ ही, आरोपियों के पुराने रिकॉर्ड को भी खंगाला जा रहा है। यह कार्रवाई निमाड़ क्षेत्र में अवैध हथियारों की तस्करी को लेकर चिंता का विषय बनी है, क्योंकि यहां से हथियार राजस्थान सहित अन्य हिस्सों में तस्करी के लिए भेजे जाते हैं। पुलिस की इस सफलता से अवैध हथियारों की तस्करी में कड़ी रोकथाम होने की उम्मीद है।

महू में राजनाथ सिंह बोले

भारत का रक्षा निर्यात एक दशक में रिकॉर्ड 21,000 करोड़ के पार हुआ

■ इंदौर । नगर प्रतिनिधि

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार (30 दिसंबर) को मध्यप्रदेश के इंदौर जिले के महू छावनी में सैनिकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, भारत का रक्षा निर्यात एक दशक पहले के 2,000 करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत का रक्षा निर्यात एक दशक पहले के 2,000 करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। दो सदी से भी अधिक पुरानी महू छावनी में आर्मी वॉर कॉलेज (AWC) में अधिकारियों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि लगातार बदलते समय में सीमांत प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल करना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि सैन्य प्रशिक्षण केंद्र भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सैनिकों को सुसज्जित और तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हमारा रक्षा निर्यात, जो एक दशक पहले लगभग 2,000 करोड़ रुपये था, आज 21,000 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड आंकड़े को पार कर गया है। हमने 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये का निर्यात लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि भारत में निर्मित उपकरण दूसरे देशों को निर्यात किए जा रहे हैं। सिंह ने अपने भाषण में युद्ध में आमूलचूल परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि सूचना युद्ध, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित युद्ध, छद्म युद्ध, विद्युत चुम्बकीय युद्ध, अंतरिक्ष युद्ध और साइबर हमले जैसे अपरंपरागत तरीके बड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। उन्होंने इस तरह के हमलों से लड़ने के लिए सेना को अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सुसज्जित होने की आवश्यकता पर बल दिया और महू में प्रशिक्षण केंद्रों के बहुमूल्य योगदान की सराहना की।

सेना की सराहना की

सिंह ने बदलते समय के अनुसार अपने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में लगातार सुधार करने और कर्मियों को हर तरह की चुनौती के लिए तैयार करने के प्रयास के लिए प्रशिक्षण केंद्रों की सराहना की। रक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार तीनों सेवाओं के बीच एकीकरण और संयुक्तता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, आने वाले समय में सशस्त्र बल एक साथ मिलकर बेहतर और अधिक कुशल तरीके से चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे। सिंह ने कहा कि महू छावनी में सभी विंग के अधिकारियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने अधिकारियों से इन्फैंट्री स्कूल में हथियार प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण के माध्यम से एकीकरण को बढ़ावा देने की संभावना तलाशने की अपील की। मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (एमसीटीई) में एआई और संचार प्रौद्योगिकी तथा एडब्ल्यूसी में जूनियर और सीनियर कमांड का नेतृत्व। सिंह ने कहा कि भविष्य में कुछ अधिकारी रक्षा अताशे के रूप में काम करेंगे तथा उन्हें वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने कहा, जब आप रक्षा अताशे के इस पद को ग्रहण करते हैं, तो आपको सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को आत्मसात करना चाहिए। केवल आत्मनिर्भरता के माध्यम से ही भारत अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत कर सकता है तथा विश्व मंच पर अधिक सम्मान प्राप्त कर सकता है। रक्षा मंत्री रविवार से मध्यप्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर रहे। उन्होंने कहा कि सरकार भारत को दुनिया की सबसे मजबूत आर्थिक और सैन्य शक्तियों में से एक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आर्थिक समृद्धि तभी संभव है, जब सुरक्षा पर पूरा ध्यान दिया जाए। इसी तरह, सुरक्षा व्यवस्था तभी मजबूत होगी, जब अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं।

'खुद को अपडेट रखने की यह भावना'

सिंह ने सीमाओं की सुरक्षा करने तथा प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सबसे पहले प्रतिक्रिया देने में सशस्त्र बलों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा, राष्ट्र की रक्षा के लिए यह समर्पण और लगातार बदलती दुनिया में खुद को अपडेट रखने की यह भावना हमें दूसरों से आगे ले जा सकती हैंिं में सिंह को कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एचएस साही ने संघर्ष के सभी क्षेत्रों में युद्ध लड़ने के लिए सैन्य नेताओं को प्रशिक्षित करने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में संस्थान की भूमिका और महत्व के बारे में जानकारी दी।

रक्षा मंत्री को बहु-क्षेत्रीय अभियानों में संयुक्तता, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी के समावेश और सीएपीएफ अधिकारियों के प्रशिक्षण के साथ-साथ शिक्षाविदों, विश्वविद्यालयों और उद्योगों के साथ किए जा रहे आदान-प्रदान कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण पद्धति में महत्वपूर्ण कदमों के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्हें मित्र देशों के अधिकारियों को प्रशिक्षित करने और सैन्य कूटनीति में महत्वपूर्ण योगदान देने के माध्यम से संस्थान द्वारा हासिल की गई वैश्विक छापों के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री ने इन्फैंट्री मेमोरियल पर पुष्पांजलि अर्पित की और बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। इससे पहले दिन में सिंह और जनरल द्विवेदी ने उज्जैन शहर के प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की।

'बाबासाहेब से जुड़े स्थानों को 'पंच तीर्थ' के रूप किया विकसित'

राजनाथ सिंह ने ट्विटर पर लिखा कि 'बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर जी की महू स्थित जन्म स्थली के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. संविधान की रचना में योगदान के साथ-साथ स्वाधीन भारत की संस्थाओं के निर्माण में बाबा साहेब की भूमिका अतुलनीय रही है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने बाबासाहेब से जुड़े स्थानों को 'पंच तीर्थ' के रूप में विकसित करने का महती काम किया है. बाबा साहेब का योगदान भारत की आने वाली पीढ़ियाँ याद रखेंगी. जय भीम.'

APPLIED FORENSIC SCIENCE LABORATORY
Email: afslindore23@gmail.com Mobile No: +91 9366381689 +91 9977649317
SERVICES
• Handwriting Examination.
• Signature Examination.
• Fingerprint Examination.
• Deleted Data Recovery from Mobile Phones, Hard Drive.
• Laptop, Desktop Computer, Pen drive.
• Complete Examination of Digital Instrument i.e. Mobile.
• phones, Laptop, Desktop Computers, in case of Hacking.
• Voice Analysis and Voice Comparison.
• Examination of Alteration in any Documents.
• Examination of Erased Writing.
• Examination of Audio Clips and Video Clips.
• Preparation of Fingerprint Records for Corporate Offices.
• Examination of Arson Cases.
• DNA Examination for Paternity and Maternity.
• Forensic Consultancy.
• Forensic Investigation of Insurance Claims.
• Property Investigation.
• Crime Scene Investigation.
• Audio Transcription.
FORENSIC EXPERT
Rakesh Mia +91 93663 81689
Vijay Panchal +91 9977649317
Head Office: Applied Forensic Science Laboratory, 8/1, 2nd foor, Moti Tabela, Near Collectorate Office, Indore, MP, 452007
Branch Office: Chandra Forensic Science lab, Chandigarh/New Delhi

किसानों के जख्मों पर मरहम लगाएगी मोहन सरकार

फसलों का मुआवजा, साथ में बोनस

■ भोपाल । संभाग पोस्ट

बेमौसम बारिश की मार पड़ने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें हैं. मावठे से कई खरीदी केन्द्रों पर धान तरबतर हो गई. ओलों से भी फसलों को नुकसान पहुंचा है. महाकौशल और विंध्य में बारिश से खरीदी केन्द्रों पर ज्यादा नुकसान हुआ है. वहीं, मोहन सरकार किसानों की मदद को आगे आई है. सरकार ने ऐलान किया है कि किसानों को राहत राशि दी जाएगी. इसके साथ ही राज्य सरकार सरकार अपने स्तर पर फसल बेचने वाले किसानों को बोनस देने की तैयारी कर रही है.

कई किसानों की फसल बिकने से पहले भीगी

बेमौसम बारिश से कई किसानों को नुकसान हुआ है. रायसेन जिले के उदयपुरा तहसील के गांव शोभापुर के किसान रीतेश कटियार बताते हैं 'उन्होंने 9 एकड़ जमीन पर धान की फसल लगाई थी. इसमें से आधी फसली ही निकाल सके कि बेमौसम बारिश से आधी फसल भीग गई. इससे उन्हें करीबन 4 लाख रुपए का नुकसान हुआ है. अब मुआवजे के लिए उन्होंने कलेक्टर और मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है.' ऐसी ही स्थिति कई स्थानों पर है. वैसे अधिकांश किसानों की धान की फसलें निकल चुकी हैं, लेकिन कई किसानों की फसल खरीद केन्द्रों पर भीग गई.

किसानों को बोनस देने की तैयारी में सरकार

इधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओला, पाला आदि से फसलों को हो रहे नुकसान को लेकर जिला स्तर पर जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से फसलों को नुकसान पहुंचा है. फसलों की क्षति के प्रावधान के अनुसार किसानों को राहत राशि दी जाएगी. राज्य सरकार जल्द ही ऐसे किसानों को राहत देने जा रही है जो खरीदी केन्द्रों पर अपनी फसल नहीं बेचते. आमतौर ये वे किसान होते हैं, जिनकी उपज कम होती है और जिन्हें फसल बेचकर हाथोंहाथ पैसों की जरूरत होती है. ऐसे मामलों में किसान समर्थन मूल्य से कम पर भी अपनी फसल बेच देते हैं. ऐसे किसानों को बोनस देने की तैयारी सरकार कर रही है.

खरीदी केंद्रों पर दिखी प्रबंधकों की लापरवाही

मध्यप्रदेश के महाकौशल, विन्ध्य और मालवा क्षेत्र के कई स्थानों पर बारिश और ओलावृष्टि हुई है. खरीदी केन्द्रों पर प्रबंधकों की लापरवाही भी सामने आई है. बारिश को लेकर मौसम विभाग द्वारा पहले ही चेतावनी जारी कर दी गई थी, लेकिन समय रहते धान को न तो उठाया गया और न ही उन्हें बारिश से बचाने तिरपाल की व्यवस्था की गई. हालांकि रवि सीजन की फसलों के लिए यह पहला मावठा अमृत माना जाता है, लेकिन कई स्थानों पर ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान भी पहुंचा है.

मध्य प्रदेश बजट 2025 की तैयारियां तेज

फाइनेंस डिपार्टमेंट ने सभी विभागों से मांगा काम का

■ भोपाल । संभाग पोस्ट

अगले वित्तीय बजट में सरकार की उपलब्धियां गिनाने के लिए वित्त विभाग ने सभी विभागों से नवाचारों की जानकारी मांगी है. वित्त विभाग ने इसके लिए सभी विभागों को पत्र लिखा और 15 दिन में बिंदुवार जानकारी भेजने के लिए कहा है. इस पत्र में जरिए विभागों से 10 बिंदुओं में जानकारी मांगी गई है. ताकि इनको लेकर बजट में नए प्रावधान किए जा सकें.

इन 10 बिंदुओं में मांगी गई जानकारी

•वित्त विभाग के संचालक बजट तन्वी सुन्द्रियाल द्वारा इसको लेकर सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव, विभाग प्रमुख को इस संबंध में पत्र गया भेजा है. इसमें निर्धारित बिंदुओं में विभागों से 15 जनवरी तक जानकारी मांगी गई है.

•पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में मौजूदा वित्तीय वर्ष में विभागों द्वारा कितना बजट मांगा गया और प्राप्त हुए बजट में से कितना बजट विभागों द्वारा खर्च किया जा सका.

•विभिन्न विभागों में संचालित योजनाओं के लिए कितना लक्ष्य रखा गया और उसके मुकाबले कितना लक्ष्य प्राप्त किया जा सका.

•मध्य प्रदेश में केन्द्र प्रवर्तित और केन्द्र क्षेत्रीय योजनाएं कौन-कौन सी संचालित हैं. उनकी क्या स्थिति है और पिछले एक साल में उनमें कितनी प्रगति हुई है.

•प्रदेश में विभिन्न विभागों द्वारा पिछले एक वर्ष में कितनी नई योजनाएं शुरू की गई.

•नवीन ऊर्जा, गौवंश संवर्धन और जन स्वास्थ्य की दिशा में संबंधित विभागों ने क्या प्रयास किया.

•ई परिवहन, झुग्गी मुक्त मध्य प्रदेश के लिए विभाग द्वारा कौन-कौन से कदम उठाए गए, उनकी प्रगति क्या है.

•औद्योगिक नीति व निवेश प्रोत्साहन की दिशा में पिछले एक साल में किए गए प्रयासों की जानकारी.

•विभाग द्वार पूर्व वित्तीय वर्षों व वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक रोजगार सृजन के लिए किए गए प्रयासों की तथ्यात्मक विवरण और सरकारी विभागों में नियुक्तियों की वेतनमान, पदवार और श्रेणीवार संख्या और कुल संख्या का विवरण.

•श्रमिक व प्रवासी श्रमिकों के कल्याण, थर्ड जेंडर, निराश्रित व बेघर, अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक कल्याण के लिए उठाए गए कदम और प्रगति की जानकारी.

•विकसित भारत के लिए किए जा रहे प्रयास और आगामी वित्तीय वर्ष में होने वाले प्रावधानों के संबंध में विभाग की राय.

वित्त मंत्री और सीएम करेंगे समीक्षा

बजट तैयारियों को लेकर जनवरी माह में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा समीक्षा करेंगे. इसके बाद मुख्यमंत्री के सामने बजट का प्रजेंटेशन किया जाएगा. केन्द्र सरकार का बजट 1 फरवरी को पेश होगा. माना जा रहा है कि इसके बाद 1 मार्च को प्रदेश सरकार का बजट पेश किया जाएगा. बजट 2024 का बजट जुलाई माह में पेश किया गया था.

एमपी के 29 जिलों में बदलाव, सरकार ने जारी किया गजट नोटिफिकेशन

■ भोपाल । संभाग पोस्ट

मध्यप्रदेश के 29 जिलों में बड़ा बदलाव हो रहा है। इन जिलों के सैंकड़ों गांवों की कायापलट की तैयारी की गई है। करीब दो साल पहले केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने तत्कालीन सीएम शिवराजसिंह चौहान के साथ इसके लिए पहल की थी। अब यहां चमचमाती सड़कें बनेंगी, भरपूर पानी मिलेगा और चौबीसों घंटे बिजली भी उपलब्ध होगी। इसके लिए इन सभी जिलों के घने जंगलों में बसे गांवों यानि वन ग्रामों को राजस्व ग्राम बनाया जा रहा है। सरकार ने सभी जिलों के अधिकांश वन ग्रामों को राजस्व ग्राम में बदलने के लिए गजट नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है।

मध्यप्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने वन अधिकार अधिनियम व पेसा अधिनियम का पालन कराने से जुड़े विषयों को लेकर अधिकारियों की बैठकें लीं। शनिवार को अपने निवास पर बुलाई इन समीक्षा बैठकों में सीएम ने वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने के काम में तेजी लाने पर जोर दिया। मध्यप्रदेश में सघन वन क्षेत्र वाले 29 जिलों में कुल 925 वनग्राम हैं जिनमें से 827 को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित किया जा रहा है। इसके लिए बीस साल से कवायद चल रही थी। सन 2002 से 2004 के बीच राज्य सरकार ने सभी जिलों के वन ग्रामों के केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजे थे। 22 अप्रैल 2022 को भोपाल में केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राज्य के वन समितियों के सम्मेलन में इन 827 वन ग्रामों को राजस्व ग्राम में परिवर्तित करने की घोषणा की थी। कार्यक्रम में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान भी मौजूद थे। वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने से आदिवासियों को कानूनी अधिकार लेने में आसानी हो गई है।

सीएम मोहन यादव को बैठक में बताया गया कि प्रदेश में जिन 827 वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है, उनमें से 792 को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित किया जा चुका है। अब तक 790 गांवों का गजट नोटिफिकेशन भी करा दिया गया है। आदिवासियों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने, वन ग्रामों में राजस्व व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यह फैसला लिया गया है। इसके तहत वन ग्रामों में अब सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। वनग्रामों के राजस्व ग्रामों में बदलने के बाद यहां के निवासी भी सामान्य ग्रामीणों की तरह जमीन और कृषि संबंधी अपने अधिकारों को प्राप्त कर सकेंगे, आदिवासियों के सिर पर लटकी रहनेवाली जंगल के कानून की तलवार हट जाएगी।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में MD drugs के साथ 02 आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से 14 ग्राम MD Drugs, मोटरसाइकिल कुल मशरूका कीमत करीब 02 लाख रू जप्त

आवेश खान पिता अजीम खान

सुमित मौर्य पिता सुरेश मौर्य उम्र

■आरोपियों का 31 दिसंबर पार्टी में युवाओं को मादक पदार्थ 1 ग्राम का टोकन बनाकर अधिक दामों में बेचने करने का था इरादा ■आदतन आरोपियों के विरुद्ध पहले से है पंजीबद्ध कई अपराध ■आदतन आरोपी अवैध मादक पदार्थ सेवन करने के भी है आदि ■आरोपियों से अवैध मादक पदार्थ की तस्करी(खरीदी–बिक्री) के अन्य साथियों के संबंध में पुलिस रिमांड प्राप्त कर की जाएगी पूछताछ ■वर्ष 2024 में क्राइम ब्रांच के द्वारा कुल 97 प्रकरण में 131 आरोपियों के कब्जे से (अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 05 करोड़ रुपए) अवैध मादक पदार्थ जब्त कर कार्यवाही की गई।

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

इंदौर शहर में अपराध नियंत्रण हेतु इंदौर कमिश्नरेट में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं इनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरूध्द प्रभावी कार्यवाही के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनमें संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार असूचना संकलन कर कार्यवाही की जा रही हैं। इसी कड़ी क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा संदेहियो की तलाश एवं पतारसी इंदौर शहर में अलग–अलग स्थानो पर करते सूर्यदेव नगर चौराहा, दर्शन कैफे के पास पहुंचे जहां संदिग्ध मोटरसाइकिल आती हुई दिखी, पुलिस वाहन को देखकर तेज गति से भागने लगे, पुलिस के द्वारा पीछा करते उक्त संदिग्ध को घेराबंदी कर पकड़ा।

आरोपियों का नाम,पता पूछने पर अपना नाम

(1). आवेश खान उम्र 20 वर्ष निवासी रावजी बाजार, इन्दौर

ढसियागंज में किराना प्रोडक्ट्स कि पैकिंग का काम करता है एवं 7वी तक पढ़ा–लिखा है और आरोपी के विरुद्ध पहले से है लड़ाई झगड़े, मारपीट, जान से मारने की धमकी के कुल 02 अपराध पंजीबद्ध हैल

(2). सुमित मौर्य निवासी भंवरकुआ,इंदौर

ढकपड़ा मार्केट के होलसेल का काम करता है एवं बीकॉम कॉलेज पढ़ा–लिखा है और आरोपी के विरुद्ध हत्या, लड़ाई-झगड़े, मारपीट, जान से मारने की धमकी, जुआ एक्ट आदि के कुल 06 अपराध थाना भंवरकुआ में पहले से पंजीबद्ध है। सभी संदिग्ध की नियमानुसार तलाशी लेते उनके पास अवैध मादक पदार्थ MD Drugs लगभग कुल वजन 14 ग्राम होना पाया गया जिसके संबंध में प्रारंभिक पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि स्टूडेंट्स क्षेत्र में 1 ग्राम का टोकन बनाकर बेचते थे और 31 दिसंबर पार्टी में पर बेचने करने के इरादे से लाना कबूला है, जिसकी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। उक्त प्रकरण में आरोपियों के कब्जे से लगभग 14 ग्राम अवैध मादक पदार्थ श्ङ ऊ्रुे, मोटरसाइकिल जप्त कर, आरोपियों के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना में लिया गया है, जिसके आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं। आरोपी से अवैध मादक पदार्थों के स्त्रोत व नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है। वर्ष 2024 (01 जनवरी से 31 दिसंबर तक) में इंदौर क्राईम ब्रांच के द्वारा कुल 97 प्रकरण में 131 आरोपियों के कब्जे से अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 05 करोड़ रुपए की अवैध मादक पदार्थ जब्त कर कार्यवाही की गई ।

वर्ष 2024 जप्त सामग्रीः–

Afim एवं Kokin – आरोपियों के कब्जे 1 kg 500g अफीम एवं 95 ग्राम कोकिन जब्त कर कार्यवाही की गई।

MD ड्रग्स - आरोपियों के कब्जे से 740 ग्राम MD ड्रग जब्त कर कार्यवाही की गई।

Brown Sugar - आरोपियों के कब्जे से 529 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त कर कार्यवाही की गई।

Ganja –आरोपियों के कब्जे से 88 kg गांजा जब्त कर कार्यवाही की गई।

Alprazolam –आरोपियों के कब्जे 414 ग्राम अल्प्राजोलम जब्त कर कार्यवाही की गईं।

बच्चों को अपराध से दूर रहने के लिए चलाया अभियान

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

विधि विरुद्ध बालकों के सुधार के लिए अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत रविवार को बाणगंगा क्षेत्र के विधि विरुद्ध बालकों और उनके परिजन को थाने पर बुलाया गया। परिजनों को बच्चों की अच्छी परवरिश देने और बालकों को अपराध से दूर रहने की समझाइश दी गई। टीआई सियाराम यादव के मुताबिक कार्यक्रम में जिला इंदौर उद्योग संगठन के प्रतिनिधि प्रमोद डफरिया और सामाजिक कार्यकर्ता नेहा शर्मा ने बच्चों के सुधार और रोजगार की जिम्मेदारी भी ली। बच्चों के नशा छोड़ने में मदद की जाएगी।

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खेरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पताः हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

संदीप पवार
Mob :-98260-68380
KP
॥ श्री गणेशाय नमः॥
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिकः 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

चेतन टेलर्स
(सूट स्पेशलिस्ट)
सुनिल खटके
मो. 9893118079
30/1.परदेशीपुरा, शिवधाम के सामने, इंदौर

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948